बर्षः- 06
अंकः- 112
मुरादाबाद
(Tuesday)
11 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

PM मोदी से मिले एनसीपी-एसपी सांसदः महाराष्ट्र के राष्ट्रीय संपत्तियों को बेचने की जगह

सूखे-प्याज से नदी प्रदूषण तक मुद्दे उठे; हुई अहम चर्चा

एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी आठ लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब 15 मिनट चली बैठक में महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। एनसीपी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी आठ लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान महाराष्ट्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक करीब 15 मिनट चली। सुप्रिया सुले ने बैठक के बाद कहा कि प्रधानमंत्री के साथ महाराष्ट्र के मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, सांसदों ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों से जुड़े विषय प्रधानमंत्री के सामने रखे।सूत्रों के अनुसार, एनसीपी (एसपी) सांसदों ने अपने क्षेत्रों से जुड़े कई मुद्दों पर प्रधानमंत्री से चर्चा की। इनमें सूखे की स्थिति, प्याज की कीमत और चंद्रभागा नदी में प्रदूषण जैसे विषय शामिल रहे। सांसदों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं को बैठक में रखा।करीब 15 मिनट चली इस बैठक में विवादित FCR संशोधन विधेयक का मुद्दा नहीं उठा। सुप्रिया सुले मौजूदा स्वरूप में इस विधेयक का विरोध करती रही हैं। शनिवार को उन्होंने कहा था कि विदेशी फंडिंग को हमेशा संदेह की नजर से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने केंद्र से विधेयक को वापस लेने या इसे संयुक्त संसदीय समिति यानी JPC के पास भेजने की मांग की थी। इससे पहले भी पीएम मोदी से मिले थे शरद पवार और सुप्रिया सुले? 22 जुलाई को एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने अपनी सांसद बेटी सुप्रिया सुले के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। उस बैठक के बाद शरद पवार ने बताया था कि उन्होंने और सुप्रिया सुले ने पीएम मोदी के साथ नीट पेपर लीक को लेकर छात्रों की मांगों, किसानों की समस्याओं, जल प्रबंधन और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की थी।पवार ने 'एक्स' पर मराठी में किए एक पोस्ट में कहा था कि प्रधानमंत्री ने इन सभी मुद्दों पर सकारात्मक और ठोस कदम उठाने का भरोसा दिया। एनसीपी (एसपी) फिलहाल विपक्षी INDIA गठबंधन का हिस्सा है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई बैठक में पार्टी के लोकसभा के सभी आठ सांसद मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती-2025, 17 अगस्त से शुरू होगा DV/PST, प्रवेश पत्र वेबसाइट पर उपलब्ध

उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती 2025 में लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का अभिलेख सत्यापन और शारीरिक मानक परीक्षण 17 अगस्त 2026 से शुरू होगा। भर्ती बोर्ड ने प्रवेश पत्र और आवेदन पत्र वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि और केंद्र पर जरूरी दस्तावेजों के साथ पहुंचना होगा।उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा में अर्ह पाए गए अभ्यर्थियों के अभिलेखों की संवीक्षा और शारीरिक मानक परीक्षण (DV/PST) 17 अगस्त 2026 से प्रदेश के सभी जनपदों में शुरू होगा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। बोर्ड के मुताबिक, DV/PST के लिए प्रवेश पत्र और आवेदन पत्र वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। अभ्यर्थी बोर्ड की वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से अपना प्रवेश पत्र और आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि और स्थान पर जरूरी अभिलेखों के साथ उपस्थित होना होगा।बोर्ड ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि DV/PST से संबंधित विस्तृत सूचना और दिशा-निर्देश के लिए आधिकारिक वेबसाइट का ही अवलोकन करें। किसी भी अपडेट के लिए अभ्यर्थी बोर्ड की वेबसाइट पर जारी सूचनाओं को देखते रहें। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ की ओर से जारी की

बृजभूषण सिंह बोले- दीपेंद्र हुड्डा को हराने पर मेरे खिलाफ रची गई साजिश, इसके बाद महिला पहलवान ने कुछ कहा

भाजपा नेता बृजभूषण सिंह ने दावा किया कि कुश्ती संघ चुनाव में दीपेंद्र हुड्डा को हराने के बाद उनके खिलाफ साजिश रची गई। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव में कुछ महिला पहलवानों को उनके खिलाफ बोलने के लिए तैयार किया गया। उन्होंने पहलवानों के बयानों में विरोधाभास का भी दावा किया।भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण सिंह ने दावा किया है कि कुश्ती संघ के चुनाव में दीपेंद्र हुड्डा को हराने पर उनके खिलाफ साजिश रची गई। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के परिवार के दबाव में कुछ महिला पहलवान उनके खिलाफ बोलने को तैयार हुईं। सोमवार को विश्नोहरपुर स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत में पूर्व सांसद ने कहा कि हरियाणा में कई कुश्ती अकादमियां हैं, लेकिन महादेव रेसलिंग एकेडमी एक परिवार से जुड़ी है। इसे स्थापित करने में भूपेंद्र हुड्डा की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि अदालत का एक परिवार, एक अखाड़ा संबंधी निष्कर्ष उनके नहीं, बल्कि दो पीड़ित लड़कियों के बयान पर आधारित है। उन्होंने खुशी जताई कि अदालत के फैसले से उनकी बातें सच साबित हुई हैं।बिना स्वतंत्र पुष्टि के मुझे दुष्कर्म का आरोपी बताया-पूर्व सांसद ने पहलवानों के बयानों में विरोधाभास का दावा करते हुए कहा कि निगरानी समिति, शपथ पत्र और अदालत में दिए गए बयानों में काफी अंतर है। हिसार और रोहतक के पहलवानों ने बजरंग पूनिया का पता दिया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन घटनाओं का आरोप लगा, उस समय वह पहलवानों के साथ मौजूद नहीं थे। इस साजिश में 42 लोग शामिल थे और कुछ उद्योगपतियों ने पैसा लगाया था। मीडिया में बिना स्वतंत्र पुष्टि के उन्हें दुष्कर्म का आरोपी बताया गया। उन्होंने बताया कि जूनियर पहलवानों के हित में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और ट्रायल जैसी व्यवस्थाओं के नियमों में बदलाव किए गए थे। कुछ कथित रूप से नामी पहलवान बिना प्रक्रिया से गुजरे सीधे बड़े मुकाबलों में जाना चाहते थे। इसलिए इस बदलाव का विरोध राजनीतिक हो गया। बाद में आंदोलन कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी का खिलौना बन गया। इससे खेल व्यवस्था के साथ-साथ महिला खिलाड़ियों को नुकसान हुआ। विधानसभा चुनाव पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की अपनी कोई ताकत नहीं है। वह गठबंधन होने पर समाजवादी पार्टी के सहारे चुनाव लड़ सकती है।

रोजगार दे सरकार, मायावती ने जंतर-मंतर आंदोलन का किया जिक्र

महंगाई ओर रोजगार पर मायावती ने सरकार को घेरा। कहा कि राष्ट्रीय संपत्तियों को बेचने की जगह रिक्त पदों पर भर्ती करें। कॉकरोच जनता पार्टी ने बेरोजगारी को ज्वलंत मुद्दा बनाया है।बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि देश में बेरोजगारी, महंगाई, अशिक्षा और भ्रष्टाचार जैसी गंभीर समस्याओं पर केंद्र व राज्य सरकारों की उदासीनता चिंताजनक है। पूर्व में बसपा ने अपनी सरकार के दौरान पुलिस व पंचायती राज विभाग में करीब ढाई लाख नए सरकारी पद सृजित किए थे। अब कॉकरोच जनता पार्टी के 36 दिन के जंतर मंतर आंदोलन ने इन गंभीर मुद्दों को राष्ट्रीय महत्व का बना दिया है। इस आंदोलन के कारण देश के शिक्षा मंत्री को भी अपना पद गंवाना पड़ा। बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को जारी अपने बयान में कहा कि केंद्र व राज्य सरकारों को करीब सवा सौ करोड़ गरीबों, श्रमिकों, युवाओं और महिलाओं की वास्तविक चिंता करनी चाहिए। राष्ट्रीय संपत्तियों को निजी हाथों में बेचना बंद करके सरकारी नौकरियों पर ध्यान देना होगा। सभी विभागों में रिक्त लाखों पदों पर प्रश्नपत्र लीक व भ्रष्टाचार-मुक्त समयबद्ध भर्तियां तत्काल शुरू हों। एक परिवार में एक सरकारी नौकरी मिलने से लाखों परिवारों का सीधा भला होगा। इससे एससी, एसटी व ओबीसी समाज को सांविधानिक आत्म-सम्मान की सुरक्षा भी मिलेगी। सरकारों को मुनाफाखोरी की व्यापारिक सोच त्यागकर संविधान की मानवतावादी नीति लागू करनी होगी। %हर हाथ को काम% देने वाली यह नीति व्यापक जनहित में लाख दुखों की एक दवा है। जंतर मंतर में आंदोलित युवाओं के मुद्दों पर संसद के वर्तमान सत्र में जारी गतिरोध समाप्त हो।वहीं दूसरी ओर उन्होने भाजपा और आम आदमी पार्टी से सतर्क रहने की नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त 2019 को दिल्ली तुगलकाबाद में संत गुरु रविदास का गुरुघर बुलडोज़र से ढहा दिया गया। विरोध में देशभर में प्रदर्शन हुए, जिसमें लाठीचार्ज और गिरफ्तारियां भी हुईं। कई लोग जेल भी गए। गुरुघर की भूमि छीन ली गई, जिससे संगत अस्थायी टीन शेड में माथा टेकने को मजबूर है। यह स्थिति करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करती है। पंजाब चुनाव से पहले भाजपा संत रविदास के नाम पर कलश यात्रा से समाज को भटका रही है। धलेता गांव में गुरुघर की दीवार गिराने पर बसपा और संगत के विरोध के बाद आम आदमी पार्टी सरकार को पुनर्निर्माण कराना पड़ा। समाज को भाजपा और आम आदमी पार्टी की राजनीति से सतर्क रहना चाहिए।

JPSC परीक्षा अनियमितता मामले में पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते गिरफ्तार, CID की कार्रवाई से मचा हड़कंप

झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) के पूर्व चेयरमैन एल. खियांग्ते को सीआईडी ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई JPSC की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (PT) में कथित अनियमितताओं की जांच के बीच हुई है।झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) के पूर्व चेयरमैन एल. खियांग्ते को कथित परीक्षा अनियमितता के मामले में सीआईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई JPSC की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (PT) में कथित गड़बड़ियों की जांच के बीच हुई है। JPSC की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर पिछले कुछ समय से सवाल उठते रहे हैं। मामले की जांच सीआईडी कर रही है और इसी क्रम में जांच एजेंसी की टीम ने JPSC मुख्यालय में छापेमारी भी की थी। राज्य के मुख्य सचिव पद से रिटायर होने के बाद पिछले साल फरवरी में झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) के चेयरमैन नियुक्त किए गए खियांग्ते ने 22 जुलाई को इस्तीफ़ा दे दिया था। अतिरिक्त महानिदेशक (CID) मनोज कौशिक ने बताया कि हमने भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के सिलसिले में JPSC के पूर्व चेयरमैन एल. खियांग्ते को गिरफ़्तार किया है। 28 जुलाई से खियांग्ते से चार बार पूछताछ की जा चुकी थी। यह गिरफ़्तारी JPSC के तीनों सदस्यों के इस्तीफ़े के एक दिन बाद हुई है। एजेंसी द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को लेकर उम्मीदवारों के भारी विरोध के बीच उन्होंने इस्तीफ़ा दिया था। खियांग्ते की गिरफ़्तारी के साथ ही इस मामले में CID द्वारा गिरफ़्तार किए गए लोगों की संख्या 20 हो गई है। कथित गड़बड़ी के सिलसिले में CID द्वारा उनके सरकारी आवास समेत कई जगहों पर तलाशी लेने से एक दिन पहले ही उन्होंने JPSC चेयरमैन पद से इस्तीफ़ा दे दिया था। हालांकि, खियांग्ते ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने अपनी मर्ज़ी से इस्तीफ़ा दिया है। एल. खियांग्ते ने हाल ही में JPSC के चेयरमैन पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने ई-मेल के जरिए अपना इस्तीफा राजभवन भेजा था, जिसे राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने स्वीकार कर लिया था। उनका इस्तीफा ऐसे समय आया, जब JPSC की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम को लेकर विवाद चल रहा था। छात्रों ने परीक्षा परिणाम में कथित गड़बड़ियों के आरोप लगाए थे। इसे लेकर छात्र लगातार आंदोलन भी कर रहे हैं और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग उठा रहे हैं।मामले की जांच झारखंड सीआईडी को सौंपी गई है। जांच के क्रम में एजेंसी ने जेपीएससी कार्यालय में भी कार्रवाई की है।

जयपुर में कांग्रेस का हल्लाबोल, पुलिस ने चलाई वाटर कैनन; खाचरियावास का भजनलाल सरकार पर हमला

जयपुर में नगर निगम के खिलाफ कांग्रेस की हिसाब मांगो रैली के दौरान प्रदर्शन उग्र हो गया। बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाया। प्रताप सिंह खाचरियावास ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए जनता के अधिकारों की लड़ाई जारी रखने का दावा किया।

जयपुर नगर निगम के खिलाफ कांग्रेस की हिसाब मांगो रैली सोमवार को जोरदार विरोध-प्रदर्शन में बदल गई। नगर निगम के घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश की। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी बैरिकेड पर चढ़ गए और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। खाचरियावास ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, पुलिस कितनी भी लगा लो,

बैरिकेड लगा लो, लेकिन जनता की आवाज नहीं दबा सकते। जनता के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी। पृथ्वीराज नगर में एक भी मकान टूटा तो... प्रदर्शन के दौरान खाचरियावास ने पृथ्वीराज नगर में प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर सरकार को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, अगर पृथ्वीराज नगर में एक भी मकान टूटा तो मुख्यमंत्री को सिविल लाइंस से बाहर नहीं निकलने देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आम जनता के साथ खड़ी है और लोगों के घरों व अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर विधानसभा तक लड़ेगी। बैरिकेडिंग पर चढ़े कार्यकर्ता, पुलिस ने रोका- रैली जब नगर निगम की ओर बढ़ी तो पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया।

इस दौरान कई कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़ गए और आगे बढ़ने की कोशिश की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन चलाया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक भी हुई।नगर निगम के कामकाज पर कांग्रेस का हमला- कांग्रेस ने %हिसाब मांगो रैली के जरिए जयपुर नगर निगम की कार्यप्रणाली और शहर की बुनियादी सुविधाओं को लेकर सरकार को घेरा। पार्टी ने सड़क, सफाई, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण और कर वसूली जैसे मुद्दों पर सरकार और नगर निगम को निशाने पर लिया।

कांग्रेस का आरोप है कि शहर की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है, जबकि सरकार और नगर निगम समस्याओं के समाधान में विफल रहे हैं। निकाय चुनाव से पहले शक्ति प्रदर्शन- राजनीतिक जानकार इस प्रदर्शन को आगामी निकाय चुनावों से पहले कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं के जरिए कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दों को चुनावी एजेंडे में लाने की कोशिश की। वहीं, खाचरियावास के आक्रामक तेवर और सरकार को दी गई चेतावनी ने प्रदर्शन को और राजनीतिक धार दे दी।

संपादकीय Editorial

A No-Construction Zone in Shimla

Shimla embraces its sighs, and this traveler now needs space within himself. All the trappings of progress aside, the environment starves in the cages of reality. As the status of Himachal's capital has risen, so has the flood of concrete. In this context, the current state government has not only heard Shimla's call for a "No Construction Zone" but has also given the TCP Act a chance to write a golden saga. Concrete daggers have also been embedded beneath the 17 green belts declared in Shimla. This time, a zone completely prohibited from new construction is being created, extending from Mall Road to Lakkar Bazaar-IGMC, Oak Over, Chota Shimla, and the upper portion of Sanjauli Road. This is the core area where the greenery and natural beauty of Shimla are spread out. The Himachal government has initiated a formal action plan for this purpose, under which the remaining private land in the No Construction Zone will be purchased. This is a unique green pooling, which will essentially provide Shimla with its breathing space. Given Shimla's status as a capital, the thrill of tourism, and the growing burden of the urban economy, its lungs must be protected. While the "No Construction Zone" is a good initiative, Shimla desperately needs to be protected from congestion, vehicles, and haphazard construction. The primary prerequisite for Shimla's development is its environmental and heritage protection.

Clearly, the Shimla Development Plan 2041, under the Village and Town Planning, offers a pause, a shade, and a vision for the future, so this is the right time to find a solution. Shimla needs many new Shimlas, while the environment needs only the environment. Clearly, the government has already relocated some offices to reduce congestion, while plans for a ropeway transport network are underway for the convenience of tourists. We believe that by establishing a staff and transport city in Waknaghat, adjacent to Shimla, congestion and vehicles can be drawn away from the capital. If some offices and employee housing are relocated to Karmachari Nagar, Shimla's congestion can be controlled. Similarly, if vehicle-related businesses and activities are shifted to Transport Nagar, the need for disciplined road transportation will be met. Tourist vehicles can be parked at Waknaghat through a mega-parking facility, and from there, travelers can proceed to their destinations via the ropeway. However, the announcement of Shimla as a "No Construction Zone" demonstrates the government's seriousness towards a major decision. It is hoped that by implementing the necessary steps in the Shimla Development Plan, the Sukhu government will ensure the implementation of strict guidelines in a phased manner. While Shimla's existence is measured by its status as a capital, urban development, and tourist arrivals, the city will remain vibrant as long as it maintains environmental cleanliness.

Why are deserts so hot? Learn the scientific reason behind the temperature.

Most hot deserts are located at 30 degrees latitude, north and south of the equator. However, there are also extremely cold deserts like Antarctica. At the equator, air is heated by direct sunlight and rises. At 30 degrees latitude, this air cools and dries and descends. Due to the lack of moisture, there is no rainfall, and desert-like conditions prevail. The very mention of the word desert conjures up images of scorching sun, vast sand dunes, and scorching heat—like the Sahara Desert. The highest temperatures ever recorded on Earth have also occurred in desert regions. Death Valley in California has recorded an air temperature of 56.7 degrees Celsius, and the Lut Desert in Iran has recorded a surface temperature of 80.8 degrees Celsius. However, deserts are not solely defined by heat. According to climate scientists, a region is considered a desert when it receives less than 250 millimeters (10 inches) of rainfall or snowfall annually. That is, deserts can be both hot and extremely cold. A prime example is Antarctica, considered the world's largest desert. Temperatures here can reach minus 60 degrees Celsius, but due to very little snowfall, it is classified as a desert. Most of the world's hot deserts are located north and south of the equator, around 30 degrees latitude. At the equator, the sun's rays fall most directly, heating the air and causing it to rise. At around 30 degrees latitude, this air cools and descends, leaving it virtually devoid of moisture. Consequently, there is no rainfall, leading to dry desert conditions. There are three primary reasons for the extreme heat in deserts. First, clouds almost never form here. Clouds normally block some of the sun's rays, but in deserts, this is prevented due to the dry air. As a result, most of the sun's energy reaches the ground directly, and the surface heats up rapidly. Another reason is the nature of sand and rocks: they heat up very quickly. After sunset, the heat stored in them also dissipates rapidly. This is why deserts can experience intense heat during the day and bitter cold at night. A third reason is the lack of natural cooling (evaporative cooling). In normal areas, plants reduce the ambient temperature by releasing water vapor into the atmosphere. However, in deserts, both moisture and vegetation are very scarce. Therefore, this natural cooling is virtually eliminated, and heat remains concentrated near the ground. - The Conversation

How does a strong mindset lead to big victories? Learn the true mantra of self-confidence, struggle, and success.

Life is no different from a boxing ring, where challenges try to knock you down. Success isn't determined by how many times you fall, but by how quickly you get back up.

Throughout my life, both inside and outside the ring, I've learned one thing:

if we don't believe in ourselves, no one in the world will ever believe in us. This unwavering self-confidence is the strength that gives a person the courage to face adversity. When I entered the ring, people would say I talk too much, but in reality, it wasn't a reflection of my bragging,

but rather a reflection of the deep conviction within me.

Champions aren't created simply by going to the gym or exercising, but by the thoughts and passion that reside deep within them. The arena of life is no different from a boxing ring, where challenges constantly try to knock you down. Success isn't determined by how many times you fall, but by how quickly you get back up after falling.

This spirit of getting back up again and again gives you the strength to endure the hard work and pain of training. People often ask me if I loved training, and my answer is always that I hated every moment of it, yet I never gave up. During the unbearable pain of training, I always told myself, "End it now, so you can live the rest of your life like a champion." When you shed every drop of sweat toward your goal,

the true champion within you emerges. Pain fades with time, but hard-earned victory is immortal. However, the true purpose of victory isn't to win a boxing belt or become the greatest athlete in the world. It's meaningful when you use it to improve the lives of others and serve society.

Your time on this earth is actually like the rent you pay for being here by doing good to others.

Only when you selflessly hold others' hands do you experience the true joy of victory. Power should not be used to oppress or belittle others, but to lift up those who have fallen and instill self-confidence in them. My physical strength may have slowed with age, but the light of my soul has never dimmed. I have always learned to soar like a butterfly and sting like a bee, which means that life should have the right balance of humility and strength. Pursue your dreams with complete dedication, face difficulties with a smile, and never let your inner faith waver, because when you listen to your soul, you can achieve anything.—Translated excerpt from The Soul of a Butterfly: Reflections on Life's Journey

Will a developed India remain just a dream, or will we collectively make it a reality?

Shouldn't we periodically review our policies, systems, and laws?

Every country makes improvements according to changing circumstances. India too should openly discuss education, health, employment, the justice system, and social policies.

It has been 76 years since the country's Constitution came into force. During this time, India has made remarkable achievements in many areas such as science, space, defense, technology, democracy, and the economy.

Yet today, we are moving forward with the goal of becoming a developed India by 2047, while some countries that gained independence later than us are now considered developed countries. Why is this? India's greatest strength lies in its 1.4 billion citizens. Whenever the country faces an

external crisis, the entire nation has stood united. Be it wars like 1965, 1971, or Kargil, or the Gujarat earthquake, the Uttarakhand tragedy, or the COVID pandemic. Every time, the country has demonstrated that unity is our greatest strength. But is our responsibility limited only to uniting in times of crisis?

Shouldn't we periodically review our policies, systems, and laws? Every country makes improvements according to changing circumstances. India should also openly discuss education, health, employment, the justice system, and social policies.

One of these issues is the reservation system. My personal opinion is that this system should be periodically reviewed to ensure that its benefits truly reach those who need it most. Furthermore, a system should be developed in the country in which every young person has the opportunity to advance based on their merit, hard work, and potential.

This does not mean that socially and economically disadvantaged sections should be ignored. Those who truly need support—economically weak families, the disabled, dependents of martyrs, and others in need—should receive every possible assistance and opportunity. But at the same time, it must also be ensured that the distribution of opportunities is equitable, transparent, and effective.

Not just reservations, the education and healthcare systems also need comprehensive reform. Quality education and better healthcare shouldn't be a luxury, but a right for every citizen. A system should be created where no family has to break financially for medical treatment, and no talented student is deprived of education solely for financial reasons.

India has the world's largest youth population. We have knowledge, skills, resources, and immense potential. From the Himalayas to the ocean, from fertile land to mineral wealth, nature has given us so much. The only need is to channel our energy in a positive direction.

We must rise above caste,

religion, and region and think about the kind of India we want to leave behind for future generations. An India where every needy person has opportunity, every hardworking person is respected, and every citizen has equal opportunity to advance. A developed India will not be built solely by government decisions. It will be achieved when every citizen understands their responsibility, engages in constructive dialogue on reforms, and puts national interests above personal interests.

मुरादाबाद के मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, कांवड़ियों पर जटायू ड्रोन से पुष्पवर्षा

सावन के दूसरे सोमवार को मुरादाबाद में शिवभक्तों और कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ी। प्रमुख शिवालयों में सुबह से जलाभिषेक हुआ और हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। डीएम और एसएसपी ने कांवड़ियों पर जटायू ड्रोन से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। मुरादाबाद में सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। तड़के चार बजे से ही मंदिरों में जलाभिषेक शुरू हो गया। कांवड़ लेकर पहुंचे शिवभक्तों और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा, फूल और प्रसाद अर्पित किया।कांवड़ियों के जत्थों से हाईवे से लेकर शहर तक बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। शहर के ऋणमुक्तेश्वर, चौरासी घंटा, सिद्धपीठ झारखंडी मंदिर समेत प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं।भीड़ को देखते हुए मंदिर समितियों की ओर से स्वयंसेवकों की तैनाती की गई। श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से जलाभिषेक कराया गया। कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा।कांवड़ियों पर जटायू ड्रोन से बरसाए फूल- कांठ रोड पर कोठीवाल डेंटल कॉलेज के पास डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसएसपी सतपाल अंतिल ने कांवड़ियों का स्वागत किया। जटायू ड्रोन के माध्यम से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की गई। अधिकारियों ने कांवड़ियों को भंडारे का भोजन और फल भी वितरित किए।इसके बाद उन्होंने कांवड़ यात्रा मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता और धैर्य के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने दिल्ली रोड के जीरो प्वाइंट, मूंढापांडे जीरो प्वाइंट, कटघर, मझोला और पाकबड़ा में कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया।उन्होंने पुलिसकर्मियों से बातचीत कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने पाकबड़ा में अमरोहा बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था जांची।उन्होंने पुलिसकर्मियों को रूट डायवर्जन का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए, ताकि कांवड़ियों के आवागमन के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।मासिक शिवरात्रि पर चौरासी घंटा मंदिर में विशेष आयोजन- चौरासी घंटा मंदिर में मंगलवार को मासिक शिवरात्रि के अवसर पर विशेष दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के पुजारी पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए सुबह 3:30 बजे कपाट खोल दिए जाएंगे और चार बजे से जलाभिषेक शुरू होगा।सावन के सोमवार के बाद मासिक शिवरात्रि पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक और कतारबद्ध तरीके से जलाभिषेक करने की अपील की है। सावन के दूसरे सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों का उत्साह चरम पर है। मुरादाबाद में नगर निगम की ओर से प्रोजेक्ट जटायु ड्रोन से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की जा रही है। वहीं शिव दरबार के पास सेवा शिविर लगाकर श्रद्धालुओं को पेयजल, फल और अल्पाहार उपलब्ध कराया जा रहा है।सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करने के लिए हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़ियों के जत्थे तेजी से अपने गंतव्य की ओर लौट रहे हैं। डीजे पर बज रहे भोलेनाथ की महिमा के गीतों पर झूमते हुए शिवभक्त भक्ति में लीन होकर आगे बढ़ रहे हैं। कांवड़ यात्रा को लेकर शहर में जगह-जगह श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की व्यवस्था की गई है। प्रोजेक्ट जटायु ड्रोन से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा- नगर निगम की ओर से प्रोजेक्ट जटायु ड्रोन के जरिए हरिद्वार-कांठ रोड-मुरादाबाद मार्ग पर लौट रहे कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की जा रही है। कांठ रोड पर नगर निगम द्वारा विकसित विशाल शिव दरबार के पास कांवड़ियों का स्वागत किया जा रहा है। पुष्पवर्षा से श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। कांवड़ियों के जत्थे शिव दरबार में शीश नवाने के बाद अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। रविवार को बड़ी संख्या में कांवड़िये हरिद्वार से गंगाजल लेकर मुरादाबाद की ओर लौटते नजर आए।नगर निगम के शिविर में कांवड़ियों की सेवा नगर निगम की ओर से कांठ रोड पर सेवा शिविर लगाया गया है। यहां नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल, अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह समेत निगम के अधिकारी और कर्मचारी कांवड़ियों की सेवा में जुटे हैं। नगर निगम की टीम सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं की सहायता और सुविधाओं का ध्यान रख रही है। सेवा शिविर में कांवड़ियों को शुद्ध पेयजल, फल और अन्य अल्पाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही नगर निगम की सीमा में आने वाले कांवड़ मार्गों पर पथ प्रकाश की व्यवस्था भी की गई है। सावन भर जारी रहेगी कांवड़ियों की सेवा- नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने बताया कि सावन के पूरे महीने नगर निगम शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा में जुटा रहेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा और सहायता के लिए सेवा शिविर लगाया गया है, जहां जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कांवड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगर निगम की टीम लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रही है, ताकि हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्तों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

संक्षिप्त समाचार

बीएससी छात्र की सीने में गोली मारकर हत्या, रुपये के लेनदेन को लेकर चल रहा था विवाद, गांव में तनाव

अमरोहा के नौगावां सादात क्षेत्र के गुलड़िया गांव में रुपये के लेनदेन के विवाद में बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र सुधांशु (21) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद

आरोपी और उसके परिजन फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की हैं।नौगावां सादात थानाक्षेत्र के गुलड़िया गांव में रविवार शाम रुपये के लेनदेन के विवाद में गांव के ही युवक ने बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र सुधांशु (21) की गोली मारकर हत्या कर दी। पिता से मारपीट की जानकारी मिलने पर भाई के साथ मौके पर पहुंचे सुधांशु के सीने में तमंचे से गोली मारी गई। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी और उसके परिवार के सदस्य घर छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एसपी के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। गांव निवासी किसान प्रतिपाल सिंह सिंह बजरी-बजरो पट की दुकान और धर्मकांटा चलाते हैं।उनके परिवार में पत्नी नेमवती के अलावा दो बेटे प्रशांत और सुधांशु थे। सुधांशु श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय से बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहे थे। मृतक के भाई प्रशांत कुमार के मुताबिक, उनके पिता ने गांव के ही एक युवक से दो लाख रुपये ब्याज पर लिए थे।इसके एवज में ब्याज समेत करीब पांच लाख रुपये वापस किए जा चुके थे। इसके बावजूद आरोपी लगातार और रुपये देने का दबाव बना रहा था। रविवार शाम करीब छह बजे प्रतिपाल सिंह दुकान से खाना खाने घर जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में आरोपी ने उन्हें रोक लिया और रुपये के विवाद को लेकर मारपीट करने लगा। प्रतिपाल सिंह किसी तरह जान बचाकर वहां से भागे। पिता के साथ मारपीट की जानकारी मिलने पर प्रशांत और सुधांशु भी मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने तमंचा निकालकर सुधांशु के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़े। परिजन आनन-फानन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। आरोप है कि आरोपी की मां भी दूसरे तमंचे में कारतूस डालकर मौके पर पहुंची थी। हालांकि लोगों की भीड़ जुटने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए। छात्र की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर एसपी लखन सिंह, एएसपी अखिलेश भदौदिया, सीओ अवधभान भदौरिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी लीफिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। एसपी लखन सिंह यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया रुपये के लेनदेन के विवाद में हत्या की बात सामने आई है। परिजनों की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा

सियासत में सियासतदानों की संतानें ही चमक रहीं, वर्तमान में 6 विधायक; इन विधायकों के पिता भी रह चुके MP-MLA

यूपी की सियासत में सियासतदानों की संतानें ही चमक रही हैं। मुरादाबाद मंडल के इन विधायकों के पिता भी विधायक और सांसद रह चुके हैं। विधायकों में इकबाल महमूद, राजीव तरारा, पिंकी यादव, मोहम्मद फहीम शामिल हैं। मुरादाबाद मंडल के सियासी दिग्गजों की संतानें ही सियासत में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। मौजूदा समय में मंडल के छह विधायक ऐसे हैं, जिनके सियासतदार पिता भी विधायक या सांसद रह चुके हैं। इसमें संभल जिले के दो विधायक जबकि मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा और बिजनौर के एक-एक विधायक शामिल हैं। इसमें तीन सपा और तीन भाजपा के विधायक हैं। मुरादाबाद मंडल के अधिकांश नेताओं ने अपने बेटों को ही सियासत में उतारने का काम किया। आज इनमें से कुछ ने तो राजनीति में अपने पैर पूरी तरह से जमा लिए हैं। अपने क्षेत्र की जनता की सदन में नुमाइंदगी कर रहे हैं। जबकि कुछ सियासत में चमके तो जरूर लेकिन उनकी राजनीतिक पारी लंबी नहीं चल सकी। एक बार विधायक बन गए लेकिन सक्रिय राजनीति में अपने को पूरी तरह से स्थापित नहीं कर सके। वहीं कुछ पैर जमाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।मंडल में वर्तमान समय में भाजपा से सुशांत सिंह, आकाश सक्सेना और राजीव तरारा विधायक हैं। जबकि सपा से इकबाल महमूद, पिंकी यादव और मोहम्मद फहीम विधायक हैं। इन सभी विधायकों में एक बात कॉमन है, वह ये कि इन सभी के पिता भी सियासदार रहे हैं। अपने समय में विधायक और सांसद तक बने हैं। यह छह विधायक अपने पिता की सियासत को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्र की नुमाइंदगी कर रहे हैं।इन विधायकों में इकबाल महमूद सबसे ज्यादा सातवीं बार विधानसभा में अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जबकि आकाश सक्सेना को यह मौका पहली बार मिला है। पिंकी यादव और मोहम्मद फहीम तीसरी बार, राजीव तरारा और सुशांत सिंह दूसरी बार विधानसभा पहुंचे हैं। इकबाल महमूद- विधायक इकबाल महमूद संभल सीट का सातवीं बार प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मौजूदा समय में मुरादाबाद मंडल में सपा के बड़े नेताओं में शामिल हैं। उनके पिता महमूद हसन खान संभल सीट से तीन बार विधायक चुने गए थे। मोहम्मद फहीम- मुरादाबाद की बिलारी विधानसभा सीट से मोहम्मद फहीम सपा के टिकट पर तीसरी (उपचुनाव जोड़कर) बार विधायक बने हैं। इनके पिता हाजी इरफान 2012 में बिलारी सीट से विधायक चुने गए थे। सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई थी। मोहम्मद फहीम उपचुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने थे। सुशांत सिंह- सुशांत सिंह पूर्व सांसद सर्वेश के बेटे हैं। वह बिजनौर जिले की बढ़ापुर विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर लगातार दूसरी बार विधायक चुने गए हैं। सर्वेश सिंह ठाकुरद्वारा सीट से पांच बार विधायक और मुरादाबाद लोकसभा सीट से एक बार सांसद रह चुके हैं। राजीव तरारा- राजीव तरारा अमरोहा जिले की सुरक्षित सीट मंडी धनौरा से विधायक हैं । वह भी लगातार दूसरी बार भाजपा के टिकट पर विधायक बने हैं। इनके पिता तोताराम गंगेश्वरी विधानसभा सीट से वर्ष 1996 में विधायक चुने गए थे। पिंकी यादव- पिंकी यादव सपा के टिकट पर असमोली सीट से विधायक हैं। वह लगातार तीसरी पर इस सीट से विधायक चुनी गई हैं। पिंकी यादव के पिता बिजेंद्र पाल सिंह यादव तीन बार विधायक और एक बार सांसद रह चुके हैं। आकाश सक्सेना- लंबे समय तक विधानसभा में नुमाइंदगी कर चुके आजम खां की रामपुर सीट से वर्तमान में आकाश सक्सेना विधायक हैं। उन्होंने उपचुनाव में इस सीट पर जीत दर्ज की थी। उनके पिता शिव बहादुर सक्सेना रामपुर की स्वार सीट से चार बार विधायक रहे चुके हैं। ये भी हैं सियासतदारों के बेटे- पूर्व विधायक चौधरी नौनिहाल सिंह के बेटे राजेश सिंह चुन्नू कांठ से विधायक रह चुके हैं पूर्व विधायक रिजवानुल हक के बेटे मोहम्मद उस्मान मुरादाबाद देहात से विधायक रह चुके हैं आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम रामपुर की स्वार सीट से विधायक रह चुके हैं पूर्व विधायक रियासत हुसैन के बेटे सौलत अली मुरादाबाद देहात सीट से विधायक रह चुके हैं अमरोहा के विधायक महबूब अली के बेटे परवेज अली पूर्व एमएलसी हैं अमरोहा के सांसद कंवर सिंह तंवर के बेटे ललित तंवर वर्तमान में अमरोहा के जिला पंचायत अध्यक्ष हैं2027 में सियासी पारी शुरू करने की तैयारी में आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में कुछ सियासतदारों की संतानें सियासी पारी की शुरुआत कर सकती हैं। मैदान तैयार करने में जुटे हैं। मंडल के एक सांसद कुंदरकी सीट से अपने बेटे को चुनाव लड़ाना चाहते हैं। वहीं देहात सीट से एक पूर्व विधायक के बेटे भी चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बरेली का जलवा , प्रदेश में ओवरऑल टॉप-3 में बनाई जगह

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी जुलाई 2026 की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बरेली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में ओवरऑल तीसरा स्थान हासिल किया है। विकास एवं राजस्व कार्यक्रमों की संयुक्त रैंकिंग में जिले का टॉप-3 में शामिल होना बेहतर प्रशासनिक कार्यप्रणाली और प्रभावी मॉनिटरिंग को दर्शाता है। जुलाई माह की रैंकिंग में विकास कार्यक्रमों में बरेली चौथे, जबकि राजस्व कार्यक्रमों में तीसरे स्थान पर रहा। दोनों की संयुक्त रैंकिंग में बरेली ने प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया।इस उपलब्धि का श्रेय जिलाधिकारी अविनाश सिंह के कुशल नेतृत्व, नियमित समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग को दिया गया है। उनके मार्गदर्शन में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा योजनाओं और विकास कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने इस उपलब्धि पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी और निर्देश दिए कि विकास एवं राजस्व कार्यक्रमों की यही रफ्तार आगे भी कायम रहे। साथ ही, जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

गौशालाएं बनेंगी आत्मनिर्भर, गोबर-गोमूत्र से बढ़ेगी कमाई : मंत्री धर्मपाल सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विकास भवन सभागार में पशुपालन विभाग की मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर में गौशालाओं की व्यवस्थाओं, हरे चारे, सुरक्षा और संरक्षण की समीक्षा की गई।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश की करीब 7500 गौशालाओं में 13 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। अब गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जाएगा। गोबर और गोमूत्र से खाद, कंडे, दीपक, पंचगव्य और गोबर गैस तैयार कर आय बढ़ाई जाएगी तथा स्वयं सहायता समूहों को इससे जोड़ा जाएगा।

उन्होंने बारिश के दौरान गौशालाओं में जलभराव रोकने और बाढ़ प्रभावित गौशालाओं में वीबी जी राम जी के माध्यम से चबूतरे बनवाने के निर्देश दिए, ताकि गोवंश सूखी जगह पर रह सके। गोचर भूमि को कब्जामुक्त कराकर वहां हरा चारा उगाने पर भी जोर दिया। मंत्री ने पशुओं में एफएमडी टीकाकरण, नस्ल सुधार और पशु चिकित्सकों के प्रशिक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि देशी नस्ल की गायों के सीमन किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि केवल बछिया पैदा करने वाले सीमन की कीमत 300 से घटाकर 100 रुपये कर दी गई है। पशुपालकों को मिलने वाला भरण-पोषण अनुदान भी 30 से बढ़ाकर 50 रुपये किया गया है। बैठक में गौशालाओं की बाउंड्रीवाल, सोलर लाइट, हरे चारे की व्यवस्था, नंदी गौशालाओं के निर्माण तथा बकरी, मुर्गी और सुअर पालन को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। नगर निगम की गौशालाओं में तैयार खाद की बिक्री और सीबीजी प्लांट लगाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी गई। बैठक में मंडलायुक्त शंभू कुमार, महापौर डॉ. उमेश गौतम, जनप्रतिनिधियों तथा मंडल के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

महेश नाथ मंदिर पर कांवरियों को जलपान कराकर की सेवा

क्यूँ न लिखूँ सच / भुता।सावन माह के पावन अवसर पर कछला धाम से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट रहे शिव भक्त कांवरियों का ग्राम केसरपुर स्थित महेश नाथ मंदिर पर ग्रामीणों ने स्वागत किया। इस दौरान कांवरियों की सेवा के लिए जलपान की विशेष व्यवस्था की गई। ग्रामीणों ने श्रद्धा भाव से कांवरियों को केला, समोसा और पानी की बोतल वितरित की। कांवरियों ने कुछ देर रुककर जलपान किया और सेवा में जुटे लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने कहा कि सावन माह में कांवरियों की सेवा करना सौभाग्य की बात है और आगे भी इसी प्रकार सेवा कार्य जारी रखा जाएगा। इस मौके पर पत्रकार शेर सिंह, दोधराज, धर्मपाल, राजवीर, शकील, निर्दोष सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

मध्यरात्रि एसएसपी ने कांवड़ मार्ग का लिया जायजा, रामगंगा तिराहा से पुट्टी बॉर्डर तक की पेट्रोलिंग

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। कांवड़ यात्रा के दौरान दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने देर रात बरेली-बदायूं कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। एसएसपी ने रामगंगा तिराहा, देवचरा चौराहा, भमोरा से पुट्टी बॉर्डर तक पुलिस अधिकारियों के साथ पेट्रोलिंग कर मौके पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी साउथ अंशिका वर्मा, एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खां सहित संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एसएसपी अनुराग आर्य ने कांवड़ यात्रियों की सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने पर विशेष जोर दिया। एसएसपी ने अधिकारियों से मौके की व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक भी लिया और निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस बल पूरी तरह से मुस्तैद रहे ।

सावन के सोमवार को क्षेत्र के प्रसिद्ध खिरका कांवरिया शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी। सावन के सोमवार को क्षेत्र के प्रसिद्ध खिरका कांवरिया शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही भक्त भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचने लगे, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बन गया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। क्षेत्राधिकारी हाईवे देवेश सिंह ने पुलिस अधिकारियों के साथ मंदिर परिसर और आसपास लगे मेले का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना प्रभारी प्रवीन कुमार पुलिस बल के साथ मंदिर परिसर में तैनात रहे और श्रद्धालुओं की आवाजाही पर लगातार नजर बनाए रखी।

पुलिस टीम ने मंदिर परिसर के साथ-साथ मेले में भी सुरक्षा व्यवस्था संभाली, ताकि किसी श्रद्धालु को असुविधा न हो। इसी बीच, हनुमंत सनातन ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं की सेवा के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई।

यहां पहुंचने वाले कांवड़ियों और अन्य श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं भोजन वितरित किया गया। ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया। वहीं, सभासद धर्मेंद्र ठाकुर ने श्रद्धालुओं को आइसक्रीम का वितरण किया। इस मौके पर प्रेम कोरी राजेश श्रीवास्तव गौरव श्रीवास्तव मुकुल राहुल श्रीवास्तव सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा, जिससे वातावरण शिवमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया, पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की।

सड़क हादसे मे बाइक सवार घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के शंखा पुल स्थित एएनए कट के पास एक सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया।पुलिस ने घायल को ईलाज के लिए अस्पताल भेजा जहाँ उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।जानकारी के अनुसार सोमवार को दोपहर बाद धर्मेंद्र बाबू पुत्र कृष्ण पाल निवासी करमपुर थाना मीरगंज बरेली से बाइक द्वारा अपने घर जा रहे थे।एएनए कट के सामने कार और बाइक की टककर हो गईं बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गईं उन्होंने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।जहाँ इसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दोनो वाहनों को कब्जे मे ले लिया है।

वर्दी में ड्यूटी, दिल में सेवा... कांवड़ियों की सेवा में जुटे इंस्पेक्टर सतीश नैन

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / सुरक्षा भीज सेवा भीज यही दिखा सुभाषनगर पुलिस का मानवीय चेहरा बरेली। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस सुरक्षा में मुस्तैद है, लेकिन थाना सुभाषनगर के प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन का सेवा भाव भी लोगों का दिल जीत रहा है। कांवड़ियों की सुरक्षा के साथ इंस्पेक्टर खुद जलपान कराते नजर आए, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

वायरल तस्वीरों में इंस्पेक्टर सतीश नैन पुलिस टीम के साथ कांवड़ियों को जलपान कराते और उनकी जरूरतों का ध्यान रखते दिखाई दे रहे हैं। वर्दी में कानून-व्यवस्था संभालने के साथ श्रद्धालुओं की सेवा का यह अंदाज लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय है। इसी बीच इंस्पेक्टर की यह पहल 'खाकी में सेवा भाव' की मिसाल बनकर सामने आई है। सोशल मीडिया पर लोग पुलिसकर्मियों की इस मानवीय पहल की जमकर सराहना कर रहे हैं।

हर-हर महादेव से गूंजा बरेली, नाथ मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। सावन के दूसरे सोमवार पर नाथ नगरी बरेली पूरी तरह शिवमय नजर आई। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच हजारों श्रद्धालुओं और कांवड़ियों ने प्रमुख नाथ मंदिरों में भगवान शिव का गंगाजल से जलाभिषेक किया। आधी रात के बाद से ही बनखंडीनाथ, पशुपतिनाथ, अलखनाथ, त्रिवटीनाथ, धोपेश्वरनाथ, मढ़ीनाथ और तपेश्वरनाथ मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। कछला और हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौटे कांवड़ियों के जत्थों से शहर के प्रमुख कांवड़ मार्ग भगवामय नजर आए। श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र और पुष्प अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा।

अधिकारियों ने कांवड़ मार्गों, मंदिरों और प्रमुख चौराहों का निरीक्षण कर सुरक्षा व यातायात व्यवस्था संभाली। घंटों-घड़ियालों की गूंज और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा बरेली दिनभर शिवभक्ति में सराबोर रहा।

17.34 लाख का 'घोड़ा', हिसाब देने में PWD फेल!

डीएम के निर्देश भी पड़े भारी, जून की रिपोर्ट के लिए 21 जुलाई को भेजना पड़ा रिमाइंडर

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। सेठ दामोदर दास पार्क में क्रिटिकल गैप्स योजना के तहत 17.34 लाख रुपये की लागत से कराए गए कार्यों को लेकर लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। काम पूरा होने के बावजूद विभाग जून माह की वित्तीय और भौतिक प्रगति रिपोर्ट तय समय पर उपलब्ध नहीं करा सका। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को हर माह की दो तारीख तक निर्धारित प्रारूप में प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद रिपोर्ट लंबित रही, जिसके बाद अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय को 21 जुलाई 2026 को पत्र जारी कर रिपोर्ट देने की याद दिलानी पड़ी। पार्क में 17.34 लाख रुपये से घोड़े की प्रतिमा समेत अन्य कार्य कराए गए हैं। काम पूरा होने के बाद भी खर्च और कार्य की आधिकारिक प्रगति का विवरण समय पर सामने न आने से पारदर्शिता और विभागीय जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अब सवाल-हिसाब में देरी क्यों? जब काम पूरा हो चुका था तो वित्तीय और भौतिक प्रगति रिपोर्ट समय पर क्यों नहीं भेजी गई? क्या रिपोर्ट तैयार करने में लापरवाही हुई या मामला किसी और वजह से अटका रहा? 21 जुलाई के रिमाइंडर के बाद अब निगाह इस बात पर है कि रिपोर्ट कब आती है और देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई होती है या नहीं।

मनौना धाम में ऑटो से मोबाइल चोरी, CCTV ने खोला राज : दो युवक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। थाना आंवला पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया TECNO कंपनी का मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, ग्राम गुलेली निवासी आकाश ने थाना आंवला में सूचना दी कि 9 अगस्त की रात करीब 9:32 बजे मनौना धाम पर ऑटो में रखा उनका मोबाइल फोन चोरी हो गया। मोबाइल चोरी की जानकारी मिलते ही सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई और मौके पर मौजूद लोगों की मदद से संदिग्धों की पहचान कर उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान शनि पुत्र प्रेमपाल, उम्र 20 वर्ष और गौरव पुत्र छत्रपाल, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम मनौना, थाना आंवला, जनपद बरेली के रूप में की है। दोनों के कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद हुआ। मामले में वादी की तहरीर और मोबाइल बरामदगी के आधार पर थाना आंवला में मु0अ0सं0 422/2026, धारा 303(2)/317(2)/45 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने नियमानुसार विधिक कार्रवाई की है।

भोले की बारात में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब, शिव भक्तों का हरि मंदिर प्रबंध समिति द्वारा स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। पंजाबी युवा संगठन द्वारा निकाली जा रही 18 वी विशाल डाक कांवड़ यात्रा का प्रभु भोलेनाथ जी की अपार कृपा से आज 10 अगस्त को दोपहर में श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन बरेली में विश्राम हुआ। कावड़ यात्रा का भव्य स्वागत मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील अरोरा, सचिव रवि छाबड़ा, आदि द्वारा मन्दिर प्रांगण में भव्य स्वागत किया गया। शिव भक्तों को फूल मालाएं वा पटके पहना कर आभार व्यक्त किया। यह यात्रा कल 09 अगस्त को कछला के लिए रवाना हुई थीं वहां से गंगाजल भर कर यह बाबा श्री धूपेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने के उपरान्त श्री सनातन धर्म मंदिर में और उसके बाद श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन में बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर और यही पर कावड़ यात्रा का विश्राम हुआ। कावड़ यात्रा में पंजाबी युवा संगठन के सभी सदस्य ने भाग लिया। कार्यकम के समापन पर सभी कावड़ियों शिव भक्तों वा उपस्थित भक्तों में भंडारा का वितरण के बाद सचिव रवि छाबड़ा ने सभी शिवभक्तों का मंदिर प्रबंध समिति की तरफ से धन्यवाद किया ।

डीएम ने कछला स्थित गौशाला का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी अवनीश राय ने अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ नगर पंचायत कछला स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने गौशाला परिसर में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निर्देश दिए कि परिसर में इंटरलॉकिंग कराई जाए, साथ ही प्रकाश एवं अन्य विद्युत संबंधी व्यवस्थाओं के लिए सोलर पैनल लगवाए जाएं।

निरीक्षण के दौरान गौशाला में 226 गोवंश पाए गए। लगभग 30 छोटे गोवंश को छोड़कर सभी गोवंश की ईयर टैगिंग की जा चुकी है। जिलाधिकारी ने गोवंश के लिए हरे चारे, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, छाया, प्रकाश व्यवस्था एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्देश दिए कि गोवंश के लिए पर्याप्त मात्रा में चारे एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए। गौशाला परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई बनाए रखी जाए तथा कमजोर गोवंश की समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराकर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए।

जिलाधिकारी ने गोवंश के संरक्षण एवं बेहतर देखभाल के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निरंतर सुनिश्चित करने तथा गौशाला की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर केयरटेकर सहित अन्य संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम एसएसपी ने कछला घाट का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच /बदायूँ= श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 के अंतर्गत कछला घाट के समीप अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के दृष्टिगत जिलाधिकारी अवनीश राय ने कछला घाट पहुंचकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रूट डायवर्जन के दौरान पुल के दोनों ओर 500-500 मीटर की दूरी पर ही दोपहिया वाहनों का प्रवेश वर्जित किया जाए। श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए गोविन्द वल्लभ पंत कॉलेज में पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एसपी सिटी अभिषेक कुमार सिंह, एसपी ग्रामीण डॉ. हृदेश कठेरिया एवं सीओ उझानी सुनील कुमार सिंह को मजिस्ट्रेटों के साथ सुरक्षा संबंधी समुचित व्यवस्थाओं के लिए दायित्व सौंपे गए हैं।

इससे पूर्व श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 के दृष्टिगत जिलाधिकारी अवनीश राय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने संयुक्त रूप से कछला गंगा घाट का रातभर स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया।

कांवड़ यात्रा के दौरान उत्पन्न होने वाली जाम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था, पार्किंग, रूट प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं की भी बारीकी से समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कांवड़ यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को स्पष्ट रूप से अवगत कराया जाए कि यात्रा को सुगम बनाने के लिए आने एवं जाने हेतु अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं और श्रद्धालु निर्धारित मार्गों का ही प्रयोग करें, ताकि आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग बढ़ाई जाए तथा यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रभावी प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

उन्होंने निर्देश दिए कि भीड़ बढ़ने की स्थिति में यातायात का प्रभावी प्रबंधन करते हुए जाम की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी सक्रिय रखी जाएं। प्रशासन द्वारा श्रावण मास कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, उपजिलाधिकारी सांई आश्रित शाखमुरी, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कछला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जन विश्वास अभियान की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण प्राथमिकता: कलेक्टर अंशुल गुप्ता

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ गांव-गांव पहुंचकर जनसंवाद करें अधिकारी, स्कूल और आंगनबाड़ी का अनिवार्य रूप से करें निरीक्षण

विदिशा, - कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज समय-सीमा बैठक में जन विश्वास अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन विश्वास अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, शिकायतों तथा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि जन विश्वास अभियान में प्राप्त शिकायतों का निराकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिन विभागों के अधिकारियों को अभियान के तहत नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे गांव-गांव पहुंचकर जनसंवाद करें और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कराने का प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों के भ्रमण के दौरान स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। निरीक्षण के दौरान स्कूल और आंगनबाड़ी में दर्ज बच्चों की संख्या तथा वास्तविक उपस्थिति की जानकारी ली जाए। जो बच्चे स्कूल या आंगनबाड़ी नहीं पहुंच रहे हैं, उनके अनुपस्थित रहने के कारणों का पता लगाकर उन्हें नियमित रूप से स्कूल और आंगनबाड़ी आने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके लिए बच्चों के अभिभावकों से भी संवाद करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि देश की प्रगति के लिए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना ही हमारा ध्येय है।

बैठक में जिले के स्कूलों में प्रवेश की स्थिति की भी समीक्षा की गई। 80 प्रतिशत से कम प्रवेश वाले ब्लॉकवार स्कूलों की सूची बैठक में प्रदर्शित की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति कम है और बच्चे नियमित रूप से स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं, वहां के प्राचार्यों को नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विद्यालयों के शिक्षकों से भी अपेक्षा की कि वे बच्चों को प्रतिदिन स्कूल लाने के लिए अभिभावकों से सतत संपर्क एवं संवाद करें और बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें।अवैध शराब मिलने पर ढाबों के फूड सेफ्टी लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश - बैठक में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आबकारी विभाग द्वारा विदिशा जिले में संचालित ढाबों के निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की भी समीक्षा की।

मुसीबत में देवदूत बनी एसडीईआरएफ-होमगार्ड टीम, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड की टीम ने सोमवार को ग्राम वामनखेड़ा में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इनमें 2 महिलाएं, 7 पुरुष और 6 बच्चे शामिल हैं। सूचना मिलते ही टीम ने बिना देर किए मौके पर पहुंचकर परिस्थितियों का जायजा लिया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। जिला सेनानी/डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड श्री मयंक कुमार जैन के नेतृत्व में तथा प्लाटून कमाण्डर एवं एसडीईआरएफ-होमगार्ड टीम प्रभारी सुश्री रश्मि दुबे के निर्देशन में रेस्क्यू टीम ने यह कार्रवाई की। टीम चौकी खामखेड़ा अंतर्गत ग्राम वामनखेड़ा पहुंची, जहां प्रभावित क्षेत्र की स्थिति का आकलन करने के बाद सुरक्षित तरीके से लोगों को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया गया।

रेस्क्यू के दौरान टीम के सदस्यों ने पूरी सावधानी और तत्परता के साथ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। अभियान में किसी भी प्रकार का जोखिम न लेते हुए सबसे पहले महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया।

टीम की मुस्तैदी के चलते कुल 15 लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सका। सूचना मिलते ही सक्रिय हुई रेस्क्यू टीम - आपदा अथवा संकट की परिस्थितियों में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। वामनखेड़ा में भी सूचना प्राप्त होते ही एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड की टीम ने तत्काल कार्रवाई की और मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य शुरू किया। टीम की त्वरित प्रतिक्रिया से प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत मिली। आपदा के समय सुरक्षा के लिए लगातार तत्पर - जिला प्रशासन एवं होमगार्ड विभाग द्वारा जिले में आपदा प्रबंधन और राहत-बचाव व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड की टीमें लगातार सक्रिय हैं। प्रशिक्षित जवानों को आपात परिस्थितियों में त्वरित रेस्क्यू एवं राहत कार्य के लिए तैयार रखा गया है। ग्राम वामनखेड़ा में किया गया सफल रेस्क्यू अभियान टीम की तत्परता, प्रशिक्षण और आपदा के समय नागरिकों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रामपुर में बेटी से बलात्कार का प्रयास! समझौता न करने पर पिता की गोली मारकर हत्या

23 मई को गांव के ही युवक पर अपनी नाबालिग बेटी के साथ बलात्कार के प्रयास का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि मुकदमे के बाद उन पर समझौते का दबाव पड़ा। जान से मारने की धमकियां मिलने लगीं। लेकिन वह फिर भी न्याय के लिए डटे रहे।रामपुर के शाहबाद में एक दिल-दहलाने वाली घटना सामने आई है। एक पिता को अपनी बेटी के साथ छेड़खानी की कानूनी लड़ाई भारी पड़ गई। आरोपियों ने पीड़िता के पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक के बेटे की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मृतक के भाई, ग्राम प्रधान पति समेत नौ लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने इलाके को झकझोर दिया है घटनाक्रम शाहबाद क्षेत्र के एक गांव का है। एक व्यक्ति ने 23 मई को गांव के ही युवक पर अपनी नाबालिग बेटी के साथ बलात्कार के प्रयास का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि मुकदमे के बाद उन पर समझौते का दबाव पड़ा। जान से मारने की धमकियां मिलने लगीं। लेकिन वह फिर भी न्याय के लिए डटे रहे। आरोप है कि रविवार सुबह आरोपियों ने लड़की के पिता को खेत पर बुलाया और वहां गोली मारकर हत्या कर दी। इससे इलाके में हलचल मच गई। पुलिस पहुंची। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। देर शाम पुलिस ने मृतक के बेटे की ओर से ग्राम प्रधान पति संजीव, पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह, शिवा, आकाश, ऋषिपाल, संजय, सत्यवीर, निगम और आदित्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया। फॉरेंसिक टीम ने सीएचसी और घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। जेब से मिले पत्र ने उलझाया- पुलिस को मृतक की जेब से एक पत्र मिला है। जिसमें इस बात का जिक्र है कि मृतक के बड़े भाई समेत कई लोग लगातार मुकदमे में समझौते का दबाव बना रहे थे। समझौता न करने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। कोई रास्ता नजर न आने पर उसने खुद को गोली मार ली। शुरू में पुलिस इसी पहलू को मानकर छानबीन कर रही थी। लेकिन बेटे की ओर से तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। राजेश की मौत से टूटा परिवार - किसान की गोली लगने से मौत के बाद नाबालिग बेटा फूट-फूटकर रोने लगा। गुस्से में उसने पुलिसकर्मियों के सामने आरोपियों के परिवार के खिलाफ बदला लेने की बात कही। उसने कहा कि पिता की मौत का बदला लेने के लिए चाहे उसे अपनी पूरी जमीन ही क्यों न बेचनी पड़े। बेटे के आक्रोश को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने उसे समझाकर शांत कराया। घटना के बाद परिवार में मातम के साथ तनाव का माहौल बना हुआ है। अगस्त को दूसरे पक्ष की ओर से मरने वाले व्यक्ति के खिलाफ प्रार्थना पत्र मिला था। इसमें उनकी बेटी से छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया था। इस मामले में व्यक्ति को बुलाया गया था। जिस पर उसने अपनी ओर से दर्ज एफआईआर की प्रति दी थी। पुलिस अधीक्षक अनिल सिसोदिया ने कहा कि मृतक ने पहले गांव के ही एक युवक के खिलाफ अपनी बच्ची के साथ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया था।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में दो कांवड़ियों की जान गई, मकरंदपुर से कांवड़ लेने गया था जत्था, साथी करते रहे इंतजार

हरिद्वार से डाक कांवड़ लेकर लौट रहे मकरंदपुर गांव निवासी दो किशोर कांवड़ियों अनिल सैनी (16) और गौतम सैनी (17) की गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में सड़क हादसे में मौत हो गई। ब्रजघाट के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दोनों गंभीर घायल हो गए थे। मेरठ के हायर सेंटर में उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया।हरिद्वार से डाक कांवड़ लेकर घर लौट रहे मकरंदपुर गांव के दो किशोर कांवड़ियों की रविवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। ब्रजघाट पुलिस चौकी से आगे सामने से आई तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल अनिल सैनी (16) और गौतम सैनी (17) ने मेरठ के हायर सेंटर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मकरंदपुर गांव निवासी छत्रपाल सैनी का बेटा अनिल सैनी और वेदराम सैनी का बेटा गौतम सैनी अपने पांच अन्य साथियों अमित सैनी, अर्जुन सैनी, विनय सैनी, श्यामेंद्र सैनी और अनुज मौर्य के साथ छह अगस्त की शाम डाक कांवड़ लेने के लिए निकले थे।सातों कांवड़िये तीन बाइकों से हरिद्वार पहुंचे थे। वहां गंगास्नान करने के बाद रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे ब्रजघाट पहुंचे और डाक कांवड़ लेकर मकरंदपुर के लिए रवाना हुए। साथियों के मुताबिक, अनिल और गौतम एक बाइक पर पीछे चल रहे थे। इस बाइक को दोनों बारी-बारी से चला रहे थे। ब्रजघाट से कुछ दूर निकलने के बाद किसी वजह से दोनों साथी बाकी कांवड़ियों से पीछे रह गए। रविवार रात करीब आठ बजे ब्रजघाट पुलिस चौकी से आगे थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों सड़क पर सिर के बल गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर ब्रजघाट चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए मेरठ के हायर सेंटर ले गई। रविवार देर रात उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई।एक घंटे तक इंतजार के बाद लौटे साथी- साथी कांवड़िये अमित सैनी ने बताया कि गढ़ और गजरौला के बीच पांचों साथी रुककर अनिल और गौतम का इंतजार करने लगे। करीब एक घंटे तक दोनों के नहीं पहुंचने पर दो साथी बाइक से उन्हें देखने के लिए वापस गए। ब्रजघाट पुलिस चौकी पर जानकारी करने पर हादसे की जानकारी मिली। घटनास्थल पर दोनों की बाइक, मोबाइल, बैग और अन्य सामान पड़ा मिला था। साथियों ने घटना की जानकारी दोनों के परिजनों को दी। देर रात परिजन पुलिस से संपर्क करने के बाद मेरठ पहुंचे। वहां उन्हें दोनों की मौत की जानकारी मिली। सोमवार दोपहर मेरठ में दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद देर शाम शव मकरंदपुर गांव पहुंचे। दोनों किशोरों की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जौहर यूनिवर्सिटी: 38 भवनों के ध्वस्तीकरण आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई टली, 13 अगस्त मिली अगली तारीख

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ मुरादाबाद के कमिश्नर कोर्ट में दाखिल चुनौती याचिका पर सोमवार को रूट डायवर्जन के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। अधिवक्ताओं के कोर्ट नहीं पहुंच पाने से सुनवाई टल गई। अब मंडलायुक्त की कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी।

रामपुर के जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को होने वाली सुनवाई टल गई। रूट डायवर्जन के कारण दोनों पक्षों के अधिवक्ता कोर्ट में नहीं पहुंच सके। इसके चलते मंडलायुक्त एवं आरडीए अध्यक्ष आंजनेय कुमार सिंह की कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी।

अब मामले में अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी। जौहर यूनिवर्सिटी के 40 भवनों में से 38 को अवैध मानते हुए आरडीए के उपाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने 15 जुलाई 2026 को उन्हें ध्वस्त करने का आदेश जारी किया था। आदेश के बाद यूनिवर्सिटी और ट्रस्ट की ओर से इसे मंडलायुक्त की कोर्ट में चुनौती दी गई। याचिका में ध्वस्तीकरण के आदेश को निरस्त करने की मांग की गई है। चुनौती याचिका के अंगीकरण को लेकर इससे पहले दो बार सुनवाई हो चुकी है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने दोनों पक्षों से अपने-अपने अभिलेखीय साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा था। इन्हीं दस्तावेजों और पक्षों की दलीलों के आधार पर कोर्ट को यह तय करना है कि जौहर यूनिवर्सिटी और ट्रस्ट की ओर से दाखिल चुनौती याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं। सोमवार को इसी प्रक्रिया के तहत सुनवाई प्रस्तावित थी, लेकिन रूट डायवर्जन के कारण अधिवक्ताओं के कोर्ट में नहीं पहुंच पाने से सुनवाई आगे नहीं बढ़ सकी। मंडलायुक्त ने अब अगली सुनवाई के लिए 13 अगस्त की तारीख तय की है।

कांवड़िया को बाइक ने मारी टक्कर, ट्रैक्टर ने कुचला: फर्रुखाबाद में कन्नौज के युवक की मौत, चालक हिरासत में

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप / फरूखाबाद / फर्रुखाबाद में एक कांवड़िया की सड़क हादसे में मौत हो गई। कन्नौज का रहने वाला था। युवक बाइक की टक्कर से सड़क पर गिर गया था, जिसके बाद एक ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया। यह घटना फर्रुखाबाद के इटावा-बरेली नेशनल हाईवे पर के पास हुई।

तेज रफ्तार बाइक ने कांवड़िया को टक्कर मारी, जिससे वह सड़क पर जा गिरा। इसी दौरान अल्लाहगंज की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया। गंभीर रूप से घायल कांवड़िया को लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कन्नौज जनपद के गुरसहायगंज थाना क्षेत्र के नंगापुरवा गांव निवासी विवेक बाथम (22) के रूप में हुई है। विवेक लगभग 35 लोगों के जत्थे के साथ तूफानी डॉक कांवड़ यात्रा पर निकला था। जत्था पांचालघाट से गंगाजल भरकर गोला गोकर्णनाथ के लिए जा रहा था। रात करीब पौने नौ बजे डबरी तिराहे के पास विवेक बोतल में पानी भरकर जत्थे के पास जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ।

पटवारियों की बैठक में एसडीएम ने दिए निर्देश, लंबित राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में करें निराकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ पोहरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को पोहरी जनपद सभागार में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री जेपी गुप्ता ने पटवारियों की बैठक लेकर राजस्व कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में नवागत तहसीलदार श्रीमती कल्पना शर्मा एवं नायब तहसीलदार श्रीमती सरिता भदौरिया भी उपस्थित रहीं। बैठक में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, भूमि आवंटन, राजस्व वसूली, लोकसेवा के लंबित प्रकरण, फार्मर रजिस्ट्री, सीएम हेल्पलाइन तथा अतिवर्षा एवं बाढ़ से संबंधित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। एसडीएम श्री जेपी गुप्ता ने पटवारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा सहित सभी राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में अनावश्यक देरी अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने राजस्व वसूली बढ़ाने के लिए पटवारी हल्का स्तर पर लक्ष्य निर्धारित करने तथा अतिक्रमण संबंधी रिपोर्ट सात दिवस में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

साथ ही सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण करने तथा जुलाई माह में प्राप्त लंबित शिकायतों को सात दिवस के भीतर समाप्त करने के निर्देश दिए। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए एसडीएम ने सभी पटवारियों को सतर्क रहने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि अतिवर्षा या बाढ़ के कारण किसी भी व्यक्ति अथवा संपत्ति को नुकसान होने की स्थिति में तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना एवं रिपोर्ट भेजी जाए, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

तिरंगे के रंग में रंगा जालौन, गूंजा 'भारत माता की जय' का जयघोष

हर घर तिरंगा अभियान में उमड़ा जनसैलाब, पुलिस लाइन से टाउन हॉल तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा, शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर बढ़ाया उत्साह

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ हाथों में लहराता तिरंगा, जुबां पर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' का जयघोष, देशभक्ति गीतों से गूंजता वातावरण और सड़क के दोनों ओर उमड़ा नागरिकों का उत्साह, सोमवार को जिला मुख्यालय उरई का नजारा देखते ही बन रहा था। हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली विशाल तिरंगा यात्रा ने पूरे शहर को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना का जीवंत संदेश दिया।

पुलिस लाइन परिसर से शुरू हुई विशाल तिरंगा यात्रा में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक घनश्याम अनुरागी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने सहभागिता की। तिरंगा यात्रा जिला परिषद, अंबेडकर चौराहा और शहीद भगत सिंह चौराहा होते हुए टाउन हॉल पहुंची। यात्रा के आगे बढ़ने के साथ ही शहर की फिजा देशभक्ति के जज्बे से भरती गई। 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' के गगनभेदी उद्घोष और 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा' जैसे देशभक्ति गीतों ने वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। सड़क पर लहराते तिरंगों का दृश्य मानो स्वतंत्रता दिवस से पहले ही पूरे शहर को राष्ट्रीय पर्व के उत्सव में बदल रहा था। तिरंगा यात्रा में पुलिस, पीएसी, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड, सफाई कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, छात्र-छात्राएं सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जालौन की एकजुट राष्ट्रभावना का विराट प्रदर्शन बन गई। यात्रा के मार्ग में शहरवासियों ने जगह-जगह आत्मीय स्वागत किया और पुष्पवर्षा कर तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ाया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर आयु वर्ग के लोगों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति का भाव स्पष्ट दिखाई दिया।विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। इसके सम्मान में देश का प्रत्येक नागरिक भावनात्मक रूप से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है और इसमें सभी लोगों को पूरे उत्साह के साथ सहभागी बनना चाहिए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं और स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को पूरे उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के गौरव का प्रतीक है और इसके सम्मान में पूरा जनपद एकजुट होकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे।पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने भी तिरंगा यात्रा में सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्रध्वज के सम्मान का संदेश दिया। पुलिस लाइन से टाउन हॉल तक निकली इस विशाल तिरंगा यात्रा ने जालौन की धरती पर देशभक्ति की ऐसी छटा बिखेरी कि पूरा शहर तिरंगे के रंग में रंगा नजर आया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी, जिला पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद सहित जनप्रतिनिधि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ राजस्थान इकाई में अजमेर संभाग,संयोजक एवं अजमेर जिला अध्यक्ष अमित सिंह टाक , को मिली मेहत्वपूण जिम्मेदारी

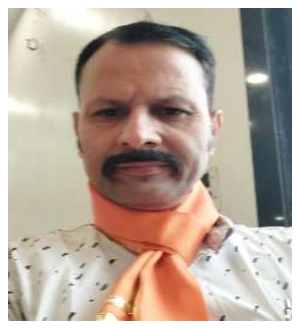

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ नई दिल्ली- अजमेर जिले के अध्यक्ष अमित सिंह टाक नियुक्त किया गया राजस्थान इकाई के अजमेर संभाग मैं आने वाले जिलों का अध्यक्ष नियुक्त किया किया जाता है

अंतर्गत वाले जिलों में भीलवाड़ा नागौर टोंक ब्यावर केकड़ी डीडवाना कुचामन है अमित टाक 30 वर्षों से पत्रकारिता कर रहे हैं इंडियन फेडरेशन आफ वर्किंग जर्नलिस्ट नई दिल्ली: राष्ट्रीय अध्यक्ष अवधेश भार्गव इरशाद खान सेक्रेटरी जनरल नई दिल्ली राष्ट्रीय सचिव राजस्थान दिलीप शाह, द्वारा मिला नियुक्ति पत्र, जिससे अजमेर संभाग एवं जिला अजमेर के पत्रकार साथियों में उत्सव का माहौल एवं उनके साथियों ने बधाइयां दी एवं टाक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष टाक समाज के कवरी लाल टाक महामंत्री ,प्रकाश चंद टाक ,कैलाश टाक ,धनराज टाक ,सीताराम टाक ,संपत टाक, एवं पूर्व विधायक सुरेशटाक डॉक्टर शांतनु टाक, साधना टाक, राजू टाक, लाल टाक, प्यारेलाल टाक ,ओम प्रकाश टाक, दीपक टाक, अमरचंद टाक, अध्यक्ष मदन मोहन टाक ,हरीश टाक ,बंटी टैंक अरुण टैंक बाबूलाल टैंक कौशल टाक, जगदीश टाक ,कांता टाक जितेंद्र टाक गौरव टाक ओमप्रकाश टाक उम्मेदमल टाक हेमराज टाक ,नरेंद्र टाक अशोक टाक , समाज-- एवं अजमेर क्षेत्र की महिला अध्यक्ष इन्दु टाक ,उपाध्यक्ष राहुल टाक, अध्यक्ष शैलेंद्र टाग, मनोज टाक, गोपी लाल टाग ,गौतम टाग, संगीता टाग ,पल्लवी टाग, मिता टाक ,अनीता टाक ,अनिल टाग, ब्रिजेन्द्र टाक ,राम रतन टाक क्षत्रिय टाक समाज एवं ने अमित टाक को बधाई दी मध्य प्रदेश ईकाई एवं विदिशा जिला इकाई के समस्त साथियों की और से अध्यक्ष हाकम सिंह रघुवंशी द्वारा अमित टाक को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी एवं राष्ट्रीय एवं प्रदेश शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

स्कूलों में लापरवाही पर कलेक्टर सख्त, जिलेभर में अधिकारियों ने किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले के शासकीय स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को आयोजित बैठक में कलेक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों को शासकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति जांचने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर संयुक्त कलेक्टर अनुराग निंगवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का सघन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्कूलों में पहुंचकर शिक्षकों की उपस्थिति पंजी देखी और कक्षाओं में जाकर पठन-पाठन की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों से संवाद कर उनके शैक्षणिक स्तर की भी जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की स्थिति, परिसर की स्वच्छता, शौचालयों की उपलब्धता एवं उनकी स्थिति तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की गई। बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों पर होगी कार्रवाई कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बिना उचित कारण अथवा अनुमति के स्कूल से अनुपस्थित पाए जाने वाले शिक्षकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में समयबद्ध संचालन, बेहतर पठन-पाठन, मूलभूत सुविधाओं का रखरखाव और विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना प्राथमिकता है। इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सात साल से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार, चोरी के तीन मामलों में था वांछित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ दिनारा। पुलिस थाना दिनारा ने कार्रवाई करते हुए चोरी के तीन मामलों में करीब सात वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी अशोक ढीमर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में तथा प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना क्षेत्र में नाइट जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी दिनारा रविन्द्र न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 660/19, 661/19 एवं चतुर्भुज ढीमर, निवासी ग्राम खड़ेसर, थाना

दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को जेएमएफसी न्यायालय करैरा में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह कुशवाह, उपनिरीक्षक सुल्तान सिंह, प्रधान आरक्षक हिमांशु चतुर्वेदी, आरक्षक शिवम यादव, एवं सैनिक सतीश शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/ थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया । जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहें।

मुर्गे की पकौड़ी बनाने से मना किया तो पलट दी तेल से भरी कड़ाही, दुकानदार को जमकर पीटा, मच गया हंगामा

नौगावां सादात क्षेत्र के गजस्थल गांव में मुर्गे की पकौड़ी बनाने से मना करने पर चार युवकों ने दुकानदार की तेल से भरी कड़ाही पलट दी। गर्म तेल की छींटों से दुकानदार समेत कई लोग झुलस गए। आरोपियों ने धारदार हथियार से दुकानदार से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।नौगावां सादात कोतवाली क्षेत्र के गजस्थल गांव में पकौड़ी की दुकान चलाने वाले दुकानदार से मुर्गे की पकौड़ी बनवाने को लेकर विवाद हो गया। पकौड़ी बनाने से मना करने पर आरोपियों ने तेल से भरी कड़ाही पलट दी। गर्म तेल की छींटें दुकानदार समेत वहां मौजूद अन्य लोगों पर जा गिरीं। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने धारदार हथियार से दुकानदार के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। घटना के दौरान काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गजस्थल गांव निवासी उमेश मजदूरी के साथ गांव में पकौड़ी की दुकान चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता है। उमेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार की रात करीब 8:30 बजे गांव के अब्दुल्ला, जौनी, मोटा और हनीफ उसकी दुकान पर पहुंचे।आरोप है कि उन्होंने उमेश से मुर्गे की पकौड़ी बनाने के लिए कहा। उमेश ने यह कहते हुए पकौड़ी बनाने से मना कर दिया कि वह मुर्गे की पकौड़ी नहीं बनाता है। आरोप है कि इससे नाराज होकर चारों लोगों ने दुकान में रखी तेल से भरी कड़ाही पलट दी। गर्म तेल की छींटें उमेश, कन्हैया समेत वहां खड़े अन्य लोगों पर पड़ीं। इसके बाद आरोपियों ने धारदार हथियार से उमेश के साथ मारपीट शुरू कर दी। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे आरोपियों से बचाया।जाते समय आरोपी उसे जान से मारने की धमकी भी दे गए। सीओ अवधभान भदौरिया ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जन्मतिथि के फेर में गई कुर्सी- नगर पंचायत अध्यक्ष को हटाया, उम्र के दस्तावेजों में मिला नौ महीने का अंतर

दस्तावेजों में जन्मतिथि के अंतर पर नगर पंचायत अध्यक्ष को कुर्सी गंवानी पड़ी। इसको लेकर प्रदेश सरकार की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। दोबारा चुनाव तक डीएम नगर पंचायत अध्यक्ष पद की कमान संभालेंगे। जन्मतिथि के फेर में फंसी नगर पंचायत एका की अध्यक्ष मायादेवी को पद से हटा दिया गया है। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास अनुभाग-1 ने 8 अगस्त को आदेश जारी करते हुए उन्हें पद से हटाने का आदेश जारी कर दिया। उनके वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए गए हैं। अब नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए फिर से चुनाव होगा। तब तक नगर पंचायत की कमान डीएम या उनकी ओर से नामित अधिकारी संभालेंगे। ग्राम एका निवासी उमेश चंद्र की शिकायत पर हाईकोर्ट के आदेशानुसार यह पूरी जांच कराई गई थी। वर्ष 2017 के नगर निकाय चुनाव में नामांकन दाखिल करते समय (10 नवंबर 2017) मायादेवी ने अपना हाईस्कूल का अंक पत्र छिपाया और अपनी उम्र 30 वर्ष से अधिक दर्शाने वाले अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए। जबकि उनके हाईस्कूल शैक्षणिक अभिलेख के अनुसार उनकी वास्तविक जन्मतिथि 01 अगस्त 1988 थी। नगर पालिका अधिनियम के अनुसार अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 30 वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है। नामांकन की तारीख तक मायादेवी की आयु 29 वर्ष 03 माह ही थी। जांच और सुनवाई के दौरान मायादेवी ने दावा किया था कि उनकी हाईस्कूल की मार्कशीट 2010 में खो गई थी और राशन कार्ड व अन्य कागजात में उनकी जन्मतिथि 1986 ही दर्ज है। डीएम की जांच में उनके कक्षा 5, कक्षा 8 और 2002 में उत्तीर्ण हाईस्कूल के मूल शैक्षणिक अभिलेख में जन्मतिथि 01.08.1988 और प्राथमिक अभिलेख में 01.01.1988 ही पाई गई। शासन ने उनके स्पष्टीकरण को भ्रामक और गुमराह करने वाला पाया। इसके बाद अब उनको हटाने का आदेश जारी हो गया है।

Avoid these 5 items on Hariyali Teej; they can affect both taste and health.

Be cautious about milk sweets, deep-fried items, overly sweet dishes, excessively spicy foods, and food stored for extended periods. Prioritize fresh food and proper storage during the rainy season. With the arrival of Hariyali Teej, households begin preparing delicious dishes along with rituals. While fasting women adhere to a fruit-based and sattvik diet, a variety of traditional dishes are also prepared for other family members. However, in the joy of the festival, we often prepare dishes that, if stored for too long or prepared incorrectly, can compromise both taste and quality. Especially during the rainy season, due to the high humidity and moisture, extra caution is required when handling food. Milk products, deep-fried sweets, or food stored outside for extended periods can spoil quickly. There are some dishes that can feel heavy due to excessive oil, sugar, or spices. Therefore, when planning a menu for Hariyali Teej, consider not only taste but also the season, the freshness of the food, and the health of the person eating it. Here, learn about five such dishes that should be prepared or served with special care during Teej. You will also learn about better alternatives. Milk sweets kept outside for long periods of time - Kheer, Rabri, Kalakand, Peda, and other milk-based sweets are very popular on Hariyali Teej. However, keeping them at room temperature for long periods during the rainy season is not advisable. Milk and its products can spoil quickly. If sweets or dairy-based dishes are left outside for many hours, their taste, smell, and quality can be affected. What to do? - Prepare sweets only as needed and store perishable items at the appropriate temperature. If you're buying sweets from the store, be sure to check the packaging and storage instructions. Excessively fried foods - Many households are known to prepare pakodas, puris, kachoris, and other fried foods during the Teej festival. While they taste great, eating foods fried in excessive oil can lead to a feeling of heaviness and discomfort. If you haven't eaten for a long time during the fast, suddenly consuming a lot of fried food can be especially taxing. What to eat? - Limit the amount of fried foods and, if necessary, choose options made with less oil. You can also include fruits, yogurt, or other light options in your meal. Excessively sugary sweets - A festival is incomplete without sweets, but that doesn't mean you should overdo it with every dish. It's best to control the sugar content of laddus, halwa, kheer, and other sweets. Those who have been advised by their doctor to limit their sugar or carbohydrate intake should be especially cautious when consuming sweets. What to do? - Serve sweets in small quantities and choose less sugary options if possible. Some lighter options prepared with fruits and nuts can also be included in the festival menu. Overly spicy and heavy food - In the excitement of festivals, sometimes more spicy and heavy food is prepared than on normal days. However, during the rainy season, excessive spices, oil, and heavy gravies can cause discomfort for those with digestive problems. If there are elderly people, children, or people with sensitive digestion in the house, be sure to include some light dishes on the menu. Better practice - Use spices in moderation and include lentils, vegetables, fruits, or other nutritious options in the meal. Long-term storage or reheated food - During festivals, more food is cooked in the house, and often leftovers last until the next day. However, not all food is safe to store for long periods. Caution is especially important with cooked rice, milk dishes, and other perishable foods. It is important to store food properly and reheat it thoroughly when needed. If the smell, taste, or texture of food seems unusual, it's best to avoid eating it. What to prepare for Teej? - If you want to create a delicious but relatively light menu for Teej, you can include these options: Fresh fruits and fruit platters Homemade light sweets Yogurt or raita Light curry made from seasonal vegetables Dishes prepared with less oil Limited amount of dry fruits Freshly prepared fruit food Homemade kheer, which should be properly chilled and served Special precautions for those observing the fast - The rules of Teej fasting may vary from family to family and region. Some people observe a dry fast, while others observe a fruit fast or observe a different fast. Do not neglect your health during the fast. If a person has any health problems, is pregnant, or is taking regular medications, it is best to consult a doctor before fasting.

How deeply rooted is yoga in the Indian lifestyle?

India has witnessed a revolution in yoga. Today, I often meet people who advise me to practice Anulom-Vilom. Anulom-Vilom is a form of pranayama, a breathing exercise. Many also recommend the use of Ayurvedic products for a healthy lifestyle. I spent my childhood in the 1980s in a remote area of ??Nalanda district in Bihar. At that time, I had never practiced yoga or heard of it. My grandfather was a wrestler, and I would watch him exercise in the mornings. My father would walk the fields and tend to the crops, while my mother would be busy with household chores from morning until late evening. Yoga was not a part of my family's daily routine. I don't remember anyone in the vicinity practicing yoga. I was first introduced to yoga at JNU. I first learned about yoga when I enrolled at Jawaharlal Nehru University. On the university campus, I saw a yoga instructor teaching people yoga. I never attended a yoga class. I thought yoga required a lot of practice and wasn't for everyone, at least not me. Instead, I went jogging every evening and did some simple physical exercises. Later, I also started practicing Transcendental Meditation, introduced by Maharishi Mahesh Yogi. But at that time, it never occurred to me that meditation was also part of Ashtanga Yoga, the eight limbs of yoga. The picture of yoga has changed in two or three decades. Today, I feel that almost everyone in India is familiar with asanas and pranayama. Even people living in remote villages know about yoga, whereas this was not the case two or three decades ago. India has seen a revolution in yoga. Today, I often meet people who recommend me to do Anulom Vilom. Anulom Vilom is a type of pranayama, or breathing exercise. Many people also recommend the use of Ayurvedic products for a healthy lifestyle. I started practicing yoga regularly about a decade ago. This included practicing various asanas. Some were simple, like Vajrasana, while others were quite difficult, like Padma-Mayurasana (Lotus-Peacock Pose) and Purna Shalabhasana (Full Grasshopper Pose). After a few yoga sessions, I realized that my body was quite flexible and I could easily perform both simple and difficult yoga postures. Gradually, I started practicing asanas for longer periods of time. During this time, I began to understand the connection between yoga and the traditional Indian lifestyle. I realized that yoga has been present in some form or another in the Indian lifestyle, from waking up in the morning until going to sleep at night. A glimpse of yoga begins with the morning routine. The first part of the morning routine includes daily physical hygiene, i.e., defecation. In the traditional method, a person sits in a cross-legged position, which puts pressure on the thighs and aids bowel movements. This posture is associated with Utkatasana, which activates both nostrils and helps one feel refreshed and relaxed. Next, one brushes their teeth. In Ayurveda, this is called Dantdhavan. In ancient times, neem twigs were used for this purpose instead of the plastic toothbrushes commonly used today. Neem, or Azadirachta indica, is considered a tree with medicinal properties. Following this, one exercises and bathes. Then, offering water to the Sun is followed by Surya Namaskar, which incorporates seven yoga postures. Prayers to deities also involve the repetition of words or mantras while controlling breathing, which can be linked to Shavda Pranayama. Yoga also extends to eating habits: after morning prayers, before leaving for work, one would eat breakfast in Ardha Padmasana on a rectangular wooden stool called Peedha. It is also called Bhojanasana. Bhojanasana is said to regulate blood circulation and specifically the Apana Vayu (air of air), which is believed to be related to Prana or breath. The Yoga tradition describes five types of Prana in the body: Prana, Apana, Samana, Udana, and Vyana. Padmasana is said to regulate Prana and blood circulation, helps maintain healthy knee joints, and keeps the spine straight. This helps maintain alertness and vigilance. Yoga also reflects in Indian classical dance: Indian classical dance is guided by the Natya Shastra, which is believed to have its roots in Yoga Shastra. If you observe any Indian classical dance artist, whether it is Bharatanatyam or Odissi, you will see glimpses of Yoga postures and mudras in many of their body movements. According to the Hatha Yoga Pradipika, Mudras are considered to be a higher state of Yoga posture. Thus, Indian classical dance is not merely a performance of art, but also a remarkable blend of body, posture, balance, and concentration. Breath control in sports like kabaddi and chicka - Some traditional Indian sports, such as kabaddi and chicka, require players to hold their breath for extended periods of time during their turn. This technique has its roots in Shavda Pranayama, which involves holding the breath without breaking it.The focus is on maintaining control for as long as possible. In these games, the player who can hold their breath for the longest time and continue playing has a greater chance of winning. Thus, even in traditional Indian sports, a special connection between breath control and physical ability is visible. Physical Benefits of Yoga: Regular practice of yoga can be beneficial for the body in many ways. These include: 1. Improved flexibility and movement 2. Improved muscle strength and tone 3. Improved balance, coordination, and posture 4. Assistance in weight management and metabolism 5. Improved immune function 6. Helps in maintaining good blood circulation and cardiovascular health 7. Helps in reducing chronic pain and inflammation Mental and Emotional Benefits: The effects of yoga are not limited to the physical alone. It is also said to have many mental and emotional benefits: 1. Helps reduce symptoms of stress, anxiety, and depression 2. Improves focus, concentration, and mental clarity 3. Helps regulate and balance emotions 4. Improves mood and overall mental health 5. Increases self-awareness, self-acceptance, and self-love 6. Improves sleep quality 7. Helps increase creativity and productivity Spiritual Benefits of Yoga: Yoga also has a spiritual aspect. Through it, one can move towards understanding their inner self and their life's purpose. The spiritual aspects of yoga include: 1. Connection to one's inner self and higher purpose 2. Balance of energy and chakras 3. Mindfulness and awareness of the present moment 4. Feelings of peace and inner calm 5. Expanded consciousness and self-awareness 6. Increased intuition and inner guidance 7. Deeper sense of purpose and unity Journey to becoming a yoga teacher: After practicing yoga for over a decade, I finally decided to become a yoga teacher and evaluator. I studied yoga at the Morarji Desai National Institute of Yoga and then took a rigorous exam conducted by the Yoga Certification Board of India. In February 2025, I was certified as a yoga teacher and assessor. Since then, I have been conducting yoga classes for diplomats and those interested in yoga. On the occasion of International Yoga Day, I also conducted a special yoga session for journalists and social media influencers in Baku, Azerbaijan. What is yoga? After practicing yoga for more than ten years, I understand that yoga is more than just exercise. Asanas prepare the body, pranayama teaches concentration on breathing, and meditation leads to calming the mind. In the broad tradition of yoga, one strives to develop greater balance within oneself through control of the body, breath, and mind. My yoga journey has taught me that yoga is not limited to any one class, age, or region. It is a tradition from which every person can learn something according to their abilities and needs. Today, when I look back, I am amazed that yoga, which I had never even heard of as a child, has become an important part of my life. Yoga has given me the opportunity to understand my body, focus on my breath, and calm my mind. Yoga connects us all. Even just 15 minutes a day can take you one step closer to peace, positivity, and a better lifestyle. I wholeheartedly recommend yoga to everyone.

Why did Shilpa Shinde say, "I missed Salman Khan"? She said this about Shivangi Joshi and Farah Khan

After a confrontation on "Lock Up Season 2," TV actress Shilpa Shinde said that she missed Salman Khan. Find out why. "Lock Up Season 2" featured frequent clashes between TV actresses Shilpa Shinde and heated arguments and fights was a new experience for won the reality show "Bigg format. "I missed Salman interaction, Shilpa Shinde said, weren't shown on TV. The way Shivangi Joshi's comments quite insulting. At times like that, used to take a stand on such further said that Farah Khan showed no bias, but she didn't was praised. Shilpa said, "When game, you're sending a message even talking rudely is a good I really missed Salman sir, What happened on the show? - brought up Shilpa's lack of for it. Shilpa also accused and using Harshad Chopra to broke out between the two had affairs with almost all of her Up 2' finale ended on August Shivangi Joshi to win the trophy. Shilpa Shinde broke down in tears as soon as the winner's name was announced. During the show, Shreya and Shilpa shared a strong friendship, and they stood by each other. Shivangi Joshi and Yogesh Rawat were the runners-up.

Shivangi Joshi. The two often had during the show. While this show Shivangi, Shilpa has previously Boss" and is well-versed in the Khan" - In a recent media "To be honest, a lot of things I was spoken to, especially about my age and work, were I remembered that Salman Khan matters." I missed him." She liked her as a contestant and like the fact that Shivangi's game you say you're playing a great to today's young generation that game. I didn't like that at all, and because there's no one like him." During the show, Shivangi often work and blamed her personality Shivangi of faking her personality advance in the game. A major fight when Shilpa claimed that Shivangi co-actors. The reality show 'Lock 5th, with Shreya Kalra defeating

Kajal Raghwani expressed her pain after being called an "outsider"; she shared a post, writing, "In Bhojpuri cinema for 16 years..."

Bhojpuri actress Kajal Raghwani recently shared a post on social media, expressing her pain at being called an "outsider." Kajal Raghwani is a well-known name in Bhojpuri cinema. She has worked in over 80 Bhojpuri films. Currently, she is making headlines for the reality show "Bhojpuri Bawal." Meanwhile, she shared a post on social media, responding to those who accuse her of claiming to be "Gujarati" and "outsider" to solicit work. Kajal Raghwani shared a post on her Instagram account. She didn't name anyone who called her an "outsider," but she responded with a lengthy note. Her pain is evident in the fact that some people accuse her of playing the victim card of being an outsider. She said, "I feel I belong here." In the shared post, Kajal writes, "I am a Gujarati. I am an outsider. I cry and beg for work or seek sympathy. I have been told this to the audience more than I have ever said, or been made to feel in the past few days. For this, I will simply say that if I have said it anywhere, it has been to say that this is my karmabhoomi, or that I will always strive for this industry or the people who have brought me here by giving me so much love. I feel I belong here. Everything here is mine." Stop telling me that I am a Gujarati." Kajal Raghwani further writes, "After working in the Bhojpuri industry for 16 years, I will say one thing: if I hadn't embraced the people here, the soil here, or the industry, had I not considered it my own, then I wouldn't have been able to stay in the industry for so many years." If no one gives me work, please stop telling me that I'm from Gujarat. Am I playing the outsider victim card or trying to gain sympathy and get the job? And that too by crying. I don't believe it, but I'm definitely being made to feel it now, because you guys are from UP and Bihar.

Huma Qureshi is excited about her film "Bayan" being screened at IFFM; she reveals what attracted her the most.

Huma Qureshi's film "Bayan" will be screened at IFFM. The actress is excited about it. Find out what her role is in the film and its story. Bollywood's leading actress, Huma Qureshi, is in the news for her upcoming film emerged that her film "Bayan" will be Festival of Melbourne (IFFM) in expressed her excitement ahead of the written and directed by Vikas Ranjan festival's official lineup. It will present the most intriguing stories of the year. Australian premiere, Huma Qureshi challenging and emotionally satisfying be a part of." What is Huma's role in her character, "Roohi is a woman who pressure, and portraying her journey ways. What attracted me to this film investigation, but also the questions it justice." Huma is proud of the film's proud that 'Bayan' will be screened at Melbourne, a festival that has always hope audiences will connect with the leave the theater with something to What is the film's story? In 'Bayan,' police officer investigating her first well-known cult leader suspected of progresses, he faces uncooperative and the difficulties of achieving justice. This police procedural drama film was section of the 2025 Toronto world premiere was on September 6, 2025.

- "Toxic." Meanwhile, news has screened at the Indian Film Australia. Huma Qureshi premiere. This riveting Hindi film, Mishra, will be part of the Melbourne audiences with one of Speaking about the film's said, "'Bayan' is one of the most films I've had the opportunity to the film? The actress said about stands firm despite immense has pushed me as an actor in many was not just its gripping raises about power, truth, and premiere, saying, "I am very the Indian Film Festival of celebrated meaningful cinema. I film, join in the discussions, and think about for a long time." Huma plays Roohi, a determined major case. This case involves a sexual assault. As the investigation witnesses, institutional obstacles, When was the film released? - first screened in the Discovery International Film Festival. Its